कलरव
२

E-BOOKS DEVELOPED BY

1. Dr.Sanjay Sinha Director SCERT,U.P,Lucknow
2. Ajay Kumar Singh J.D.SSA,SCERT,Lucknow
3. Alpa Nigam (H.T) Primary Model School, Tilauli Sardarnagar,Gorakhpur
4. Amit Sharma (A.T) U.P.S, Mahatwani ,Nawabganj, Unnao
5. Anita Vishwakarma (A.T) Primary School ,Saidpur,Pilibhit
6. Anubhav Yadav (A.T) P.S.Gulariya,Hilauli,Unnao
7. Anupam Choudhary (A.T) P.S,Naurangabad,Sahaswan,Budaun
8. Ashutosh Anand Awasthi (A.T) U.P.S,Miyanganj,Barabanki
9. Deepak Kushwaha (A.T) U.P.S,Gazaffarnagar,Hasanganz,unnao
10. Firoz Khan (A.T) P.S,Chidawak,Gulaothi,Bulandshahr
11. Gaurav Singh (A.T) U.P.S,Fatehpur Mathia,Haswa,Fatehpur
12. Hritik Verma (A.T) P.S.Sangramkheda,Hilauli,Unnao
13. Maneesh Pratap Singh (A.T) P.S.Premnagar,Fatehpur
14. Nitin Kumar Pandey (A.T) P.S, Madhyanagar, Gilaula , Shravasti
15. Pranesh Bhushan Mishra (A.T) U.P.S,Patha,Mahroni Lalitpur
16. Prashant Chaudhary (A.T) P.S.Rawana,Jalilpur,Bijnor
17. Rajeev Kumar Sahu (A.T) U.P.S.Saraigokul, Dhanpatganz ,Sultanpur
18. Shashi Kumar (A.T) P.S.Lachchhikheda,Akohari, Hilauli,Unnao
19. Shivali Gupta (A.T) U.P.S,Dhaulri,Jani,Meerut
20. Varunesh Mishra (A.T) P.S.Madanpur Paniyar,Lambhua,Sultanpur

Table of Contents

जिसने सूरज चाँद बनाया

जिसने सूरज चाँद बनाया
जिसने तारों को चमकाया
जिसने फूलों को महकाया
जिसने चिड़ियों को चहकाया
जिसने सारा जगत बनाया
हम उस ईश्वर के गुण गाएँ।
उसे प्रेम से शीश झुकाएँ।।

बच्चों को कविता का हावभाव एवं लय के साथ अभ्यास कराएँ। प्रातःकालीन दृश्यों पर चर्चा करें।

2 पास-पड़ोस

बच्चों को चित्र का भली-भाँति अवलोकन करने दें। चित्र पर चर्चा द्वारा उनके वास्तविक पास-पड़ोस तथा परिवेशीय क्रियाकलापों से जोड़ें।

अभ्यास
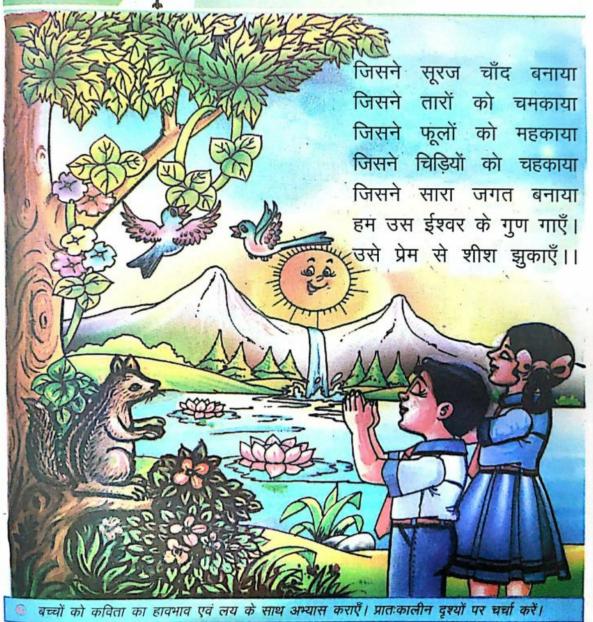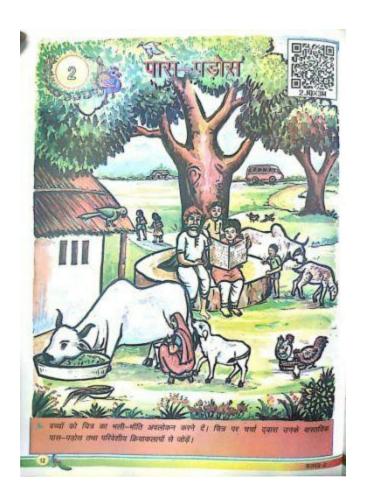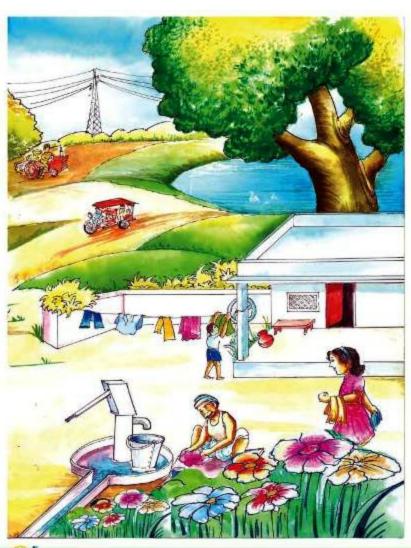
1. बताओ–

क. तुम्हारा घर गाँव में है या शहर में ?

ख. तुम्हारे गाँव/शहर का क्या नाम है ?

ग. तुम्हारे पड़ोस में कौन–कौन रहते हैं?

घ. तुम्हारे पड़ोसी क्या–क्या काम करते हैं?

ड. तुम्हारे पास–पड़ोस में कौन–कौन से जानवर पाले जाते हैं ?

2. तारे के अंदर दिए हुए कार्यों में से छाँटकर लिखो–

क. रोज किए जाने वाले कार्य–

....

....

....

ख. कभी–कभी किए जाने वाले कार्य–

....

....

....

मुर्गी को दाना डालना

मछली पकड़ना

चाय पीना

बर्तन माँजना

खेत जोतना

झाड़ू लगाना

कपड़े धोना

खाना पकाना

मंजन करना

पढ़ाई करना

खेतों में खाद देना

बाजार जाना

पकवान बनाना

ग. घर में होने वाले कार्य–

....

....

....

घ. घर के बाहर होने वाले कार्य–

....

....

....

3. **चित्र पाठ में जो पशु–पक्षी दिखाई दे रहे हैं, उनके नाम लिखो–**

......................, ..., ...

4. **पढ़ो और नीचे दिए गए स्थान पर लिखो – कौन शहर में पाया जाता है, कौन गाँव में ? कौन दोनों में ?**

बैल, गाय, घोड़ा, कार, गेहूँ के खेत, कारखाना, दुकानें, चक्की, सिनेमाघर, हल, रिक्शा, ताँगा, टेलीविजन, ट्रैक्टर, मोबाइल फोन।

गाँव में	शहर में	दोनों में
गेहूँ के खेत	सिनेमाघर	ताँगा
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

5. **चित्र को पूरा कर रंग भरो –**
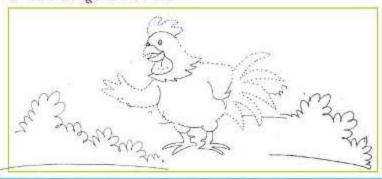
- बच्चों से बातचीत करके पास–पड़ोस में पाई जाने वाली विभिन्न वस्तुओं की सूची बनवाएँ।

3 बया हमारी चिड़िया रानी

2JZT5J

बया हमारी चिड़िया रानी ।

तिनके लाकर महल बनाती
ऊँची डाली पर लटकाती,
खेतों से फिर दाना लाती
नदियों से भर लाती पानी।

तुझको दूर न जाने देंगे
दानों से आँगन भर देंगे,
और हौज में भर देंगे हम
मीठा-मीठा ठंडा पानी।

– महादेवी वर्मा
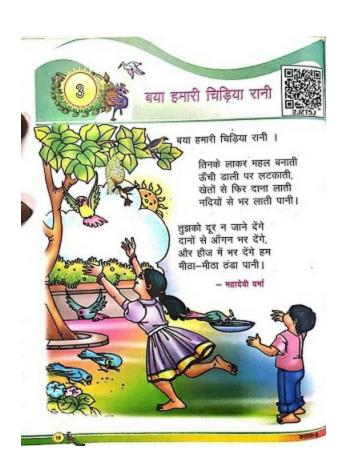
1. बताओ –

   क. तुमने कौन–कौन सी चिड़ियाँ देखी हैं ?

   ख. बया अपना घोंसला कैसे बनाती है ?

   ग. चिड़िया दूर न जाए इसके लिए बच्चे क्या करने को कह रहे हैं?

2. लिखो, से कौन बड़ा है, कौन छोटा –

   बिल्ली, चींटी, बकरी, मच्छर, चूहा, मक्खी, गाय, भैंस, तितली, मेढक, मधुमक्खी, कुत्ता, खरगोश, मुर्गी, कौआ, कछुआ।

छोटा		बड़ा	
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

3. पाठ में 'इ' व 'ई' की मात्रा वाले जो शब्द आए हैं उन्हें लिखो, जैसे–

चिड़िया	....	रानी	....
....	....	....	....
....	....	....	....

- बच्चों से उनके घर तथा आसपास पाए जाने वाले पक्षियों के बारे में बातचीत करें। पाले जाने तथा न पाले जाने वाले पक्षियों के बारे में पूछें। चर्चा करें कि पक्षियों के प्रति हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए और गर्मी में पक्षियों की सुरक्षा के लिए हमें किस बात का ध्यान रखना चाहिए।

4. जानो और करो –

गौरैया कम हो रही हैं। इन्हें बचाने के लिए हर साल **20 मार्च** को पूरी दुनिया में **'विश्व गौरैया दिवस'** मनाया जाता है।

आप भी बचा सकते हैं गौरैया–

- छत पर अथवा आँगन में किसी बर्तन में रोज दाना–पानी रखकर।
- घोंसले बना कर आँगन में या किसी पेड़ पर टाँगकर।

5. अपने शिक्षक से पता करो –

- कौन–कौन से पशु–पक्षी हैं जो कम होते जा रहे हैं ?
- इनके कम होते जाने के क्या कारण हैं ?
- इनको बचाने के लिए आप क्या–क्या कर सकते हैं ?

6. बताओ–

- आपके घर में किस–किस रंग की चिड़ियाँ आती हैं ?
- आपके घर में चिड़ियाँ कहाँ–कहाँ बैठती हैं ?
- आप उन्हें क्या–क्या खाने को देते हैं ?
- आप चिड़ियों से क्या–क्या बातें करना चाहते हैं ?
- चिड़िया की तरह पंख होते तो तुम कहाँ–कहाँ जाते?

7. चिड़िया का चित्र बनाकर रंग भरो –

देखभाल

1. चित्रों को क्रियाकलापों से मिलाएँ–

लिखना
देखना
सुनना
छूना
चखना
हँसना
कूदना
सूँघना

2. हम इन्हें कैसे जानते और पहचानते हैं ?

गरम	–	ठंडा	छूकर	गंध	....
पास	–	दूर	....	मिठास	....
मोटा	–	पतला	....	घंटी की आवाज	....
नीला	–	काला	....	गीत	....

• शरीर के अंगों के महत्व एवं देखभाल पर चर्चा कराएँ।

3. अहा, स्वाद !

क. खाने की उन चीजों के नाम लिखो, जिनका स्वाद हो –

मीठा	खट्टा	नमकीन	कड़वा
....	....	....	....
....	....	....	....

ख. रसोई की ऐसी चीजों की सूची बनाओ, जिनसे तेज महक आती है –

....	....	....	....
....	....	....	....

4. क. हम कैसे देखभाल करते हैं अपने –

दाँतों की .... नाखूनों की ....

बालों की .... आँखों की ....

ख. हमें क्या नहीं करना चाहिए –

कान में .... आँख में ....

नाक में .... मुँह में ....

5. एक–एक कर चित्रों के बारे में बताइए–

हाथ धोने का सही तरीका

- हाथ धोने के सही तरीकों पर चर्चा एवं व्यावहारिक अभ्यास कराएँ।
- विविध अवसरों पर बच्चों को शारीरिक अंगों की स्वच्छता तथा देखभाल के प्रति जागरूक करें।

5 टपका का डर

बरसात का दिन था। चारों ओर पानी बरस रहा था। दादी माँ का घर भीग रहा था। जल्दी ही छप्पर से पानी टपकने लगा। दादी माँ परेशान हो उठीं, परंतु करतीं भी क्या ? छप्पर पुराना था।

थोड़ी देर में ओले भी पड़ने लगे। ढेर बराबर ओले ! उधर एक बाघ ओलों की मार से परेशान हो उठा। कूदते–फाँदते वह दादी माँ के घर के पास पहुँचा।

दादी माँ अंदर भात बना रहीं थीं। चूल्हे पर पानी टपक रहा था टप–टप, टप–टप।

वह झुँझला उठीं और बोलीं – "मुझे टपका से जितना डर लगता है उतना तो बाघ से भी नहीं।"

बाघ ने सोचा– यह मुझसे तो नहीं डरतीं, मगर टपका से डरती हैं। टपका जरूर मुझसे भी कोई बड़ा जानवर होगा! बस, यह सोचते ही बाघ घबराया और सिर पर पैर रख कर भागा।

अभ्यास

1. बताओ –

क. दादी माँ क्यों परेशान थीं ?

ख. बाघ दादी माँ के घर के पास क्यों गया था ?

ग. बाघ क्यों भाग गया ?

घ. छप्पर कौन–कौन सी चीजों से बनता है ?

ङ. ओले पड़ने पर तुम क्या करते हो ?

च. तुम्हारे घर में चूल्हे पर क्या–क्या पकाया जाता है ?

छ. पिताजी की माँ को दादी कहते हैं। तुम अपने पिताजी की माँ को क्या कहते हो ?

2. लिखो, बरसात में और क्या–क्या भीग रहा होगा ?

3. इस पाठ में कौन से शब्द इन अक्षरों से बने हैं, लिखो–

जैसे ब से बस

ब ....

म ....

प ....

4. चित्र बनाओ– रसोई के किसी बर्तन का–

- बच्चों को इसी प्रकार की लोककथाएँ सुनाएँ और उनसे घर पर बड़े–बूढ़ों से लोककथाएँ सुनकर आने को कहें। बाघ का मुखौटा बनवाकर बच्चों से अभिनय कराएँ।

1. कहानी आगे बढ़ाओ–

आशमा फुटबाल खेल रही थी। उसने गेंद को ठोकर मारी। गेंद बदरी काका की छत की ओर उछली ....।

2. इस वर्ग पहेली में आठ अंगों के नाम छिपे हैं। उन्हें ढूँढ़कर घेरा लगाओ–

हों	ठ	क	ग	म	आँ	जी	भ
पा	ग	हा	ज	ध	ख	थ	य
रा	झ	थ	का	न	प	व	ञ
पै	र	स	श	ष	ज्ञ	ठ	म
छ	ता	पे	ट	सा	दे	ना	क

3. शब्द बनाओ –

रे	खे	घो	हा ....
सि	बा	प	ध ....

4. इन शब्दों में 'ई' की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाओ, जैसे–
फल+ ई= फली

नल	कल	ढल	मूल
....	....	....	....

5. दिए गए उदाहरण की तरह खाली स्थानों में शब्द भरो–

खा	खाऊँगा	खाऊँगी	खाएँगे
सो	....	....	सोएँगे
रो	रोऊँगा	....	....
बो	....	बोऊँगी	....
धो	धोऊँगा	....	....

6. क्या–क्या होता –

खट्टा	नींबू	पीला	....
गोल	....	ठंडा	....
मीठा	....	गरम	....
सफेद	....	चौकोर	....

7. पढ़ो और समझो –

प+त्+ता	=	पत्ता	न+र्+म	=	नर्म
कु+त्+ता	=	कुत्ता	न+म्+र	=	नम्र
स+च्+चा	=	सच्चा	क+र्+म	=	कर्म
वि+द्+या	=	विद्या	श+र्+म	=	शर्म
स+न्+त	=	सन्त	क्+ऋ+पा	=	कृपा
म+च्+छ+र	=	मच्छर	द्+ऋ+ढ़	=	दृढ़

8. बताओ – बाघ दादी की बात सुनकर क्यों भाग गया ?

ममता का घर

मेरा नाम ममता है। मेरा घर मानावाला गाँव में है। मेरे घर की दीवारें मिट्टी की हैं। दीवारों पर फूस का छप्पर है। घर के चारों तरफ दालान है। पीछे बाड़े में गौशाला बनी है। वहाँ आम के पेड़ पर झूला पड़ा है। झूले पर मैं और मेरा भाई मगन झूलते हैं।

मगन और मैं रोज सवेरे उठकर दातून करते हैं। फिर नहा कर नाश्ता करते हैं। नाश्ता करने के बाद हम तैयार होते हैं। इसके बाद स्कूल जाते हैं।

स्कूल से आने पर हमें भूख लगती है। माँ कहती हैं, "ममता, मगन! पहले अपना बस्ता खूँटी पर टाँग आओ, हाथ–मुँह धो लो, फिर खाना खाओ।"

जिस दिन माँ को स्वास्थ्य केंद्र मे अधिक काम रहता है उस दिन खाना बाबू जी बनाते हैं। मैं रोज दोपहर में दाल,

चावल, हरी सब्ज़ी और रोटी खाती हूँ। हम बगिया से टमाटर, मूली और गाजर भी ले आते हैं, जिन्हें हम धोकर खाते हैं। मगन को लौकी की सब्ज़ी बहुत अच्छी लगती है।
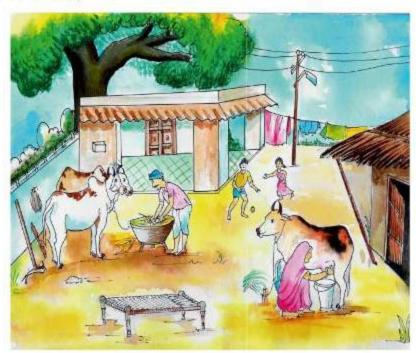
बाबूजी खेत पर काम करते हैं। शाम को खेत से लौटकर बाबूजी बैलों को खूँटे से बाँधते हैं और उनको चारा खिलाते हैं। माँ गाय का दूध दुहती है।

बिजली जाने पर मगन लैंप जला देता है। घर में उजाला हो जाता है। मगन और मैं साथ–साथ बैठकर पढ़ते हैं। रात को भोजन के बाद दादीजी हमें कहानी सुनाती हैं। कहानी सुनते–सुनते हम सो जाते हैं।

अभ्यास

1. **बताओ –**

क. मगन और ममता स्कूल जाने से पहले क्या–क्या करते हैं ?

ख. बाबू जी खाना कब बनाते हैं ?

ग. तुम्हारे घर की दीवारें किस–किस चीज से बनी हैं ?

घ. तुम्हारे घर में कौन–कौन रहते हैं ?

ङ तुम्हारे घर में कौन–कौन से पशु–पक्षी पाले जाते हैं ?

च. तुम्हारे घर के आस–पास कौन–कौन से पेड़–पौधे हैं ?

2. ममता के बाबू जी माँ की खाना पकाने में मदद करते हैं। आप घर के किस काम में मदद करते हो–

- माँ की ....
- पिता जी की ....
- बहन की ....
- भाई की ....

3. **लिखो –**

क. दूध देने वाले पशुओं के नाम	....
ख. उजाला देने वाली चीजों के नाम	....
ग. खेती में काम आने वाली चीजों के नाम	....

4. **इनके घर को क्या कहते हैं ? लिखो –**

गाय	....	चिड़िया	....	चूहा	....
मधुमक्खी	....	मुर्गी	....	शेर	....

5. **नीचे लिखो कि इनमें से कौन–सा काम माँ, पिताजी, भाई, बहन, दादा–दादी या तुम्हारे द्वारा किया जाता है–**

- पानी भरना–..
- झाड़ू लगाना– ....
- खाना पकाना– ....
- कपड़े धोना –...
- दूध दुहना–...
- चारा लाना–...
- खेती करना–..
- पढ़ना–लिखना–...
- जानवरों को नहलाना–..
- बिस्तर लगाना–...

7

कबूतर

2L2CC5

भोले–भाले बहुत कबूतर
हमने पाले बहुत कबूतर

कुछ उजले कुछ लाल कबूतर
चलते छम–छम चाल कबूतर
कुछ नीले बैंजनी कबूतर
पहने हैं पैंजनी कबूतर

करते मुझको प्यार कबूतर
करते बड़ा दुलार कबूतर
आ अँगुली पर झूम कबूतर
लेते हैं मुँह चूम कबूतर

रखते रेशम बाल कबूतर
चलते रुनझुन चाल कबूतर
गुटर–गुटर–गूँ बोल कबूतर
देते मिश्री घोल कबूतर

–सोहन लाल द्विवेदी
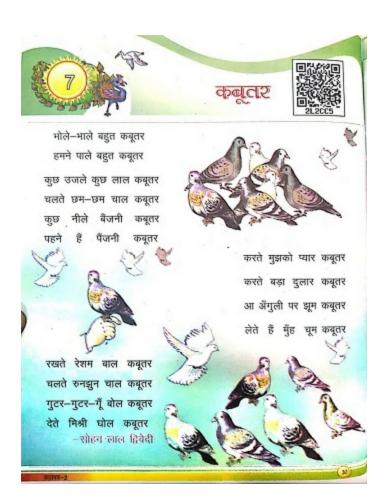
अभ्यास

1. उत्तर दो–

   क. कबूतर किस–किस रंग के होते हैं ?

   ख. कबूतर कैसे बोलते हैं ?

2. इनकी बोली बोलकर बताओ–

   कबूतर कोयल गाय घोड़ा बकरी कौआ मुर्गा बिल्ली
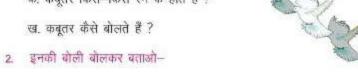
3. 'छम–छम' में 'छम' शब्द दो बार आया है। इसी प्रकार तुम भी ऐसे शब्द समूह लिखो जिनमें एक शब्द दो बार आए हों–

   ....

4. पाठ के आधार पर सही ✓ का निशान लगाओ–

- कबूतर पहने हैं – पैंट, फ्रॉक, पैंजनी।
- कबूतर चलते हैं – ढम–ढम, छम–छम, टप–टप।
- कबूतर रखते हैं – रेशम बाल, मटमैले बाल, घुँघराले बाल।
- कबूतर बोलते हैं – काँव–काँव, गुटर–गूँ, टें–टें।

5. शब्दों को सही क्रम में रखकर कविता की पंक्तियाँ लिखो–

- कबूतर भाले बहुत भोले ....
- बहुत पाले कबूतर हमने ....
- कुछ कबूतर लाल उजले कुछ ....
- चाल छम चलते कबूतर छम ....

6. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम (उलटे अर्थ वाले) शब्द लिखो–

दिन .... अंदर ....

बड़ा .... कम ....

7. अपनी पसंद के किसी पक्षी का चित्र बनाकर रंग भरो।

8. कबूतर को दाने तक पहुँचाओ–
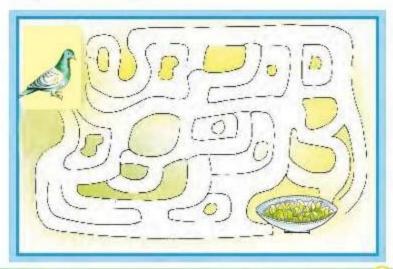
मेला

श्यामा शिवपुर का मेला देखने जा रही है। उसने नई फ्रॉक पहन रखी है।

श्यामा – माँ–माँ, जल्दी चलो, नहीं तो अब्दुल चाचा की गाड़ी में जगह नहीं मिलेगी।

माँ – तुम खाना तो खा लो।

श्यामा–नहीं, मुझे भूख नहीं है। पिता जी भी देर लगा रहे हैं। उन्होंने तो अभी तक नये कपड़े भी नहीं पहने हैं।

पिता जी– तुम लोग चल कर चाचा की गाड़ी में बैठो, मैं भैंस को चारा देकर आता हूँ।

गाड़ी में बहुत से लोग बैठे थे। श्यामा, उसकी माँ और पिता जी भी बैठ गए। गाड़ी चल पड़ी। तभी एक हवाई जहाज शूँ...ऽ की आवाज करता हुआ निकला। बच्चे खुशी से चिल्ला उठे – हवाई जहाज, हवाई जहाज !

कुछ ही देर में मेला पास आ गया। मीनू के बाबा बच्चों को समझाने लगे–मेले में सब एक दूसरे की अँगुली पकड़े रहना, नहीं तो खो जाओगे।

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। खिलौनों की दुकानें देखकर बच्चे रुक गए। मीनू की माँ बोलीं – पहले मेला घूमो, फिर खिलौने खरीदेंगे। सब लोग मिठाई की दुकान पर गए। वहाँ उन्होंने जलेबी और बर्फी खाई।
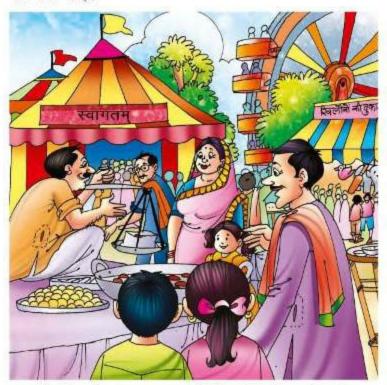
मेले में सर्कस लगा था। बच्चों ने सर्कस देखा, फिर वे झूला झूले। एक ओर जादूगर जादू दिखा रहा था।
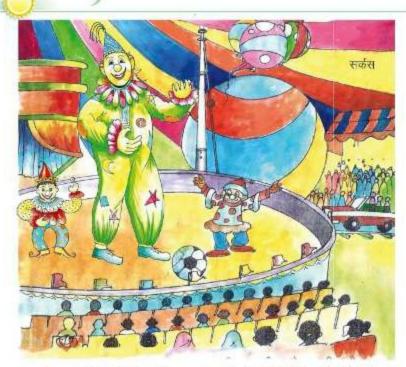
श्यामा ने चाभी वाला जहाज खरीदा। मीनू ने गाड़ी और अम्बर ने जोकर खरीदा। श्यामा की माँ ने बक्सा खरीदा। पिताजी ने बैलों के लिए घंटी खरीदी। मेला देखने के बाद सभी लोग ट्रॉली से घर को वापस चल दिए।

नेहा बोली – रोज मेला देखने को मिलता तो कितना अच्छा होता ?

अम्बर बोला – रोज मिठाई, रोज समोसा – अहा !

1. उत्तर लिखो –

   क. श्यामा और उसके साथियों ने क्या–क्या देखा एवं खरीदा?

   ख. मीनू के बाबा ने बच्चों को क्या समझाया ?

2. बताओ –

   क. तुम्हारे आस–पास में मेले कहाँ–कहाँ लगते हैं?

   ख. क्या तुम कभी मेला देखने गए हो? क्या–क्या देखा रास्ते में और मेले में ?

   ग. मेले में कौन–कौन सी दुकानें होती हैं ?

   घ. तुम्हें मेले में दुकान लगानी हो तो किस चीज की लगाओगे?

   ङ. यदि तुम मेले में खो जाते तो क्या करते ?

3. बैलगाड़ी शब्द के अन्त में 'गाड़ी' शब्द आता है। ऐसे तीन शब्द तुम भी लिखो जिनके अन्त में 'गाड़ी' आता हो।

4. 'र' अक्षर को हिन्दी भाषा में चार प्रकार से लिखते हैं। उदाहरण के अनुसार तीन–तीन शब्द लिखो–

क.	पूरा 'र' = रमन,	रात	....	....	....
ख.	पूरा 'र' = प्रकार,	ग्रह	....	....	....
ग.	पूरा 'र' = ट्रक,	ड्रम	....	....	....
घ.	आधा 'र' = बर्फ,	सर्प	....	....	....

नाव चली

मेढक, चूजा, चूहा, चींटी और गुबरैला मित्र थे। एक दिन चूजे ने कहा, "चलो, हम सब घूमने चलें और दुनिया देखें।"

चींटी बोली, "हाँ, हाँ। दुनिया बहुत बड़ी है। हम सब नई–नई चीजें देखेंगे।"

सब चल पड़े। चलते–चलते एक झील के किनारे पहुँचे। "अब हम आगे कैसे जाएँगे ?" गुबरैले ने पूछा।

मेढक बोला, "हम तैर कर झील को पार कर लेंगे।"

"हम तो तैरना जानते ही नहीं। हम क्या करेंगे ?" चूजे, चूहे, चींटी और गुबरैले ने कहा।

मेढक हँसने लगा। बोला, "टर्र, टर्र, टर्र। तुम्हें तैरना नहीं आता तो तुम अपने–अपने घर लौट जाओ।" यह कहकर मेढक फिर जोर–जोर से हँसा और पानी में कूद गया।

उन चारों को बहुत बुरा लगा। वे झील पार करने की तरकीब सोचने लगे।

अंत में उन्होंने एक उपाय खोज लिया।

चूहा दौड़ कर गया और अखरोट का छिलका ले आया। चूजा एक पत्ता ले आया। चींटी एक सरकंडा उठा लाई।

गुबरैला बहुत देर बाद आया। वह अपने साथ एक लम्बा सा धागा ले आया।
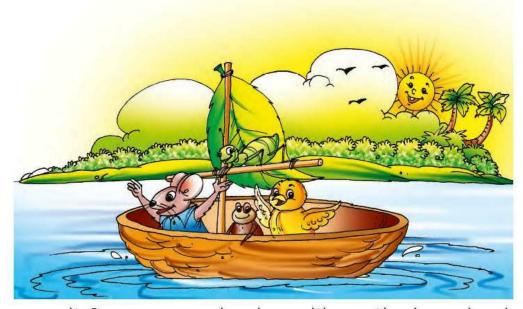
चारों मिलकर नाव बनाने लगे। उन्होंने सरकंडे को अखरोट के छिलके के अंदर फँसा दिया। उसमें धागे से पत्ती को पाल की तरह बाँध दिया। कुछ ही समय में उनकी सुंदर नाव बन गई।

चींटी बोली, "अब हम झील को पार कर लेंगे।"

उन्होंने अपनी नाव को पानी में उतारा और उस पर बैठ गए। चूहा नाव चलाने लगा।

धीरे–धीरे उनकी नाव आगे बढ़ चली।

अभ्यास

1. बताओ –

 क. सारे मित्रों ने क्या सोचा ?

 ख. मेढक ने क्या किया ?

 ग. चूहे, चींटी, चूज़े और गुबरैले ने झील कैसे पार की ?

2. लिखो, नाव बनाने के लिए क्या–क्या लेकर आए–

 चूहा ....

 चूजा ....

 चींटी ....

 गुबरैला..

3. नीचे लिखे शब्दों के विलोम (उलटे अर्थ वाले) शब्द लिखो–

दूर	बुरा	आगे	हँसना
....	....	....	....

4. क्या तुमने भी कभी मिलजुल कर कोई काम किया है ? कैसे किया ? अपनी कॉपी में लिखो।

5. दिए गए शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

जैसे, जोर–जोर– मेढक जोर–जोर से हँसने लगा।

 धीरे–धीरे, ... ।

 गिरते–गिरते... ।

1. नीचे दिए गए शब्दों जैसी आवाज वाले शब्द लिखो –

मगन	बड़ा	गाना	पानी
....	....	....	....

2. इन शब्दों को पूरा करो –

झो........ड़ी	ज........ज	खि........ना	मे........क
खे........ते	दु........न	म........न	तै........ना

3. घर में त्योहार के दिन खाने की कौन–कौन सी चीजें बनती हैं ? नाम लिखो– ....

4. 'कबूतर' कविता को पढ़ो और तीसरी, चौथी, पाँचवीं तथा छठी पंक्ति को सुन्दर अक्षरों में लिखो।

5. पढ़ो और जानो–

सड़क बनी है लंबी–चौड़ी।
उस पर जाती मोटर दौड़ी।।
सड़क पार सीधे मत जाओ।
जेब्रा क्रॉसिंग पर आ जाओ।।
दाएँ–बाएँ नजर घुमाओ।
सड़क पार फिर तुम कर जाओ।
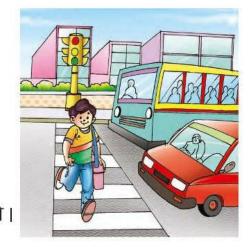
6. मेले में तुमने कौन–कौन सी मिठाइयाँ खाई हैं ? नाम लिखो –

....

7. दिए गए उदाहरण की तरह शब्द बनाओ –

मछली	मछलियाँ
तितली	....
लड़की	....
बिल्ली	....

8. उदाहरण देखकर सही स्थान पर 'दौड़ा', 'दौड़ी' को लिखो –

चूहा	दौड़ा
बिल्ली	दौड़ी
गाय	....
हाथी	....
लड़का	....
लड़की	....

9. मगन और ममता क्या–क्या काम करते हैं ?

10. मीनू ने मेले में क्या–क्या देखा ?

11. चूजा, चूहा, चींटी और गुबरैले ने झील कैसे पार की ?

12. जिस मेले में तुम गए हो उसके बारे में लिखो ।

गर्मियों की रात थी। साबिर और सना अपने अब्बू और अम्मी के साथ छत पर बैठे थे। आकाश में चाँद दिखा। गोल–गोल थाली जैसा। साबिर बहुत खुश हुआ।

उसने सना से कहा, "देखो दीदी, चाँद कैसे चमक रहा है ! वहाँ कौन रहता होगा ?"

सना बोली, "अभी तक चाँद पर जीने के लिए जरूरी हवा, पानी, भोजन आदि नहीं मिल पाए हैं। इसलिए वहाँ कोई नहीं रहता। हो सकता है, कल यह संभव हो।"

साबिर ने अम्मी से कहा, "चाँद के बारे में कुछ और बताइए न।"
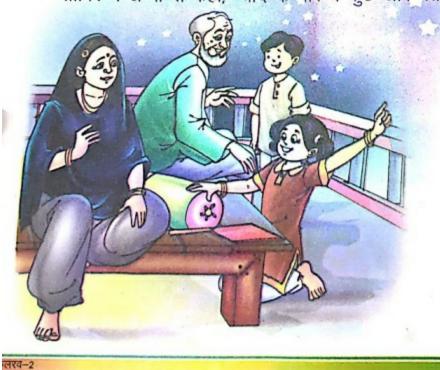
अम्मी बोलीं, "चाँद हमारी धरती के चारों ओर चक्कर लगाता है। धरती से कुछ लोग रॉकेट में बैठकर चाँद पर गए। वहाँ पहुँचकर वे खुशी से कूदे तो बहुत ऊँचे उछल गए। चाँद पर बड़ी–बड़ी चट्टानें और गड्ढे हैं। वे लोग वहाँ से मिट्टी और चट्टानों के नमूने धरती पर लेकर आए।"
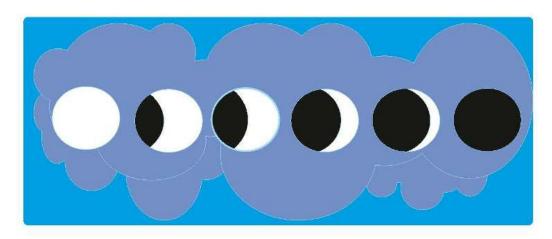
साबिर ने पूछा, "चाँद पर इतनी चमक कहाँ से आती है ?"

अब्बू ने बताया, "चाँद को सूरज से प्रकाश मिलता है। हमारी धरती को भी सूरज से प्रकाश मिलता है।"

"सूरज को रोशनी कौन देता है?" साबिर ने फिर पूछा।

"सूरज एक तारा है। तारों की अपनी रोशनी होती है। आसमान में ये जो तारे टिमटिमा रहे हैं, वे सब हमारे सूरज की तरह हैं। उनमें कुछ तो सूरज से भी बड़े हैं। ये हमसे बहुत दूर हैं इसलिए छोटे–छोटे दिखाई देते हैं" अब्बू ने बताया।

अम्मी ने कहा, "अगले महीने ईद है। तब तुम्हें चाँद की कहानियाँ सुनाएँगे।"

1. उत्तर दो –

   क. चाँद पर कोई क्यों नहीं रहता है?

   ख. हमारी धरती और चाँद को प्रकाश कहाँ से मिलता है?

2. रात में जब चाँद निकले तो उसे ध्यान से देखो। अपनी किताब में चिह्न लगाओ कि वह किस चित्र जैसा दिखाई देता है।

3. बताओ –

   क. शाम होने पर चिड़ियाँ क्या करती हैं? तुम क्या करते हो ?

   ख. यदि सूरज न हो तो क्या–क्या नहीं होगा ?

4. बोलकर लिखो –

चाँद	....	रंग	....
माँ	....	मंजन	....
गाँव	....	ठंडा	....

5. जानो–

चाँद	–	चंद्रमा	धरती	–	पृथ्वी
सूरज	–	सूर्य	आकाश	–	अम्बर

6. चाँद पर कोई कविता कक्षा में सुनाओ।

11

नंदू को जुकाम

2M3VIQ

बहुत जुकाम हुआ नंदू को
एक रोज वह इतना छींका
इतना छींका, इतना छींका
इतना छींका, इतना छींका
सब पत्ते गिर पड़े पेड़ के
धोखा हुआ उन्हें आँधी का।

– रामनरेश त्रिपाठी
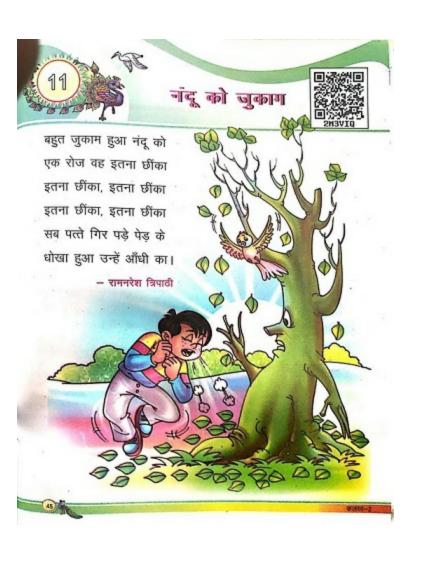
1. बताओ –

(क) तुमने पेड़ों से पत्तों को कब–कब गिरते हुए देखा है?

(ख) जब तुमको जुकाम होता है तब क्या होता है ?

(ग) आँधी आने पर क्या–क्या होता है ?

2. नीचे दिए गए शब्द सही जगह पर भरो –

(नंदू, लड़का, छींक, जुकाम, पेड़, जोर, पत्ते, आँधी, धोखा)

एक .... था। उसका नाम .... था। एक बार नंदू को बहुत .... हो गया। उसे .... आने लगीं। वह इतनी .... से छींका कि .... से सब .... गिर पड़े। पत्तों को .... हुआ कि .... आ गई है।

3. उदाहरण के अनुसार नए शब्द बनाओ –

छींका	छींकी	खाता	....
पीता	....	हँसता	....
चलता	....	बोलता	....
नाचता	....	पढ़ता	....

4. लिखो, जुकाम होने पर–

क्या करें ?	क्या न करें ?
....	....
....	....

5. कहानी पूरी करो –

एक था ....। वह बहुत .... था। उसका नाम पड़ गया 'आक् छीं।' एक दिन .... गया दुकान में । .... ने पूछा क्या चाहिए ? .... ने किया 'आक् छीं।' दुकानदार ने कहा यहाँ 'आक् छीं' नहीं मिलता। यहाँ मिलती है ....।

6. पढ़ो, समझो और लिखो–

नंदू	मच्छर	बिल्ली	छप्पर
....	....	....	....
अच्छा	बच्चा	सच्चा	कच्चा
....	....	....	....

7. पूरा करो–

पत्ता उड़ा। चला आसमान की ओर। ऊपर ही ऊपर। रास्ते में पड़ा बाजार। पत्ते ने देखीं दुकानें चार–

एक फल की, एक फूल की, एक मिठाई की, एक .... की।

रास्ते में पड़ा गाँव। गाँव में पेड़ों की छाँव। पेड़ों में कुछ नीम के, कुछ आम के, कुछ बरगद के, कुछ .... के।

- बच्चों को बताएँ कि छींक आने पर मुँह पर रुमाल रखें। प्रश्न संख्या 7 में बच्चों से खाली स्थान भरवाएँ। पत्ते ने उड़ते–उड़ते और क्या–क्या देखा होगा इस पर बातचीत करें।

12 जगतपुर गाँव के बच्चे

यह जगतपुर गाँव है। गाँव में जगह–जगह कीचड़ और गंदगी थी। बच्चे खेलना चाहते थे, पर कहाँ खेलते ? कोई स्थान नहीं था। स्कूल जाने का रास्ता भी कीचड़ से भरा था।

एक दिन बच्चे मैदान में इकट्ठा हुए। उन्होंने सोचा, यह गंदगी दूर हो जाए तो कितना अच्छा हो।

"मैं परी से कहूँगा कि रात में आकर जादू की छड़ी से हमारे गाँव को साफ–सुथरा और सुंदर बना दे" लोकेश ने कहा।

यह सुनकर सब बच्चे हँस पड़े।

सरिता बोली, "कहीं परियाँ भी गाँव की सफाई करती हैं ? हमें ही कुछ करना होगा।"

सबने मिलकर योजना बनाई। दूसरे दिन प्रातःकाल बच्चों ने गाँव में प्रभात फेरी निकाली।

उनके हाथों में तख्तियाँ और कुदालें थीं। उन्होंने नारे लगाए –

हमारा गाँव कैसा हो।
साफ–सुथरा सुंदर हो।।
हरा–भरा विद्यालय हो।
घर–घर में शौचालय हो।।
नालियों को साफ रखो।
रास्तों को साफ रखो।
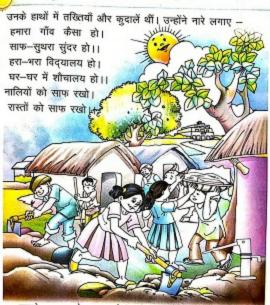
इसके बाद बच्चे स्कूल के रास्ते पर पहुँचे। उन्होंने फावड़ों से कीचड़ हटाना शुरू किया। छोटी–छोटी कुदालों से नाली बना दी। रुका हुआ पानी नाली में चला गया।

तब तक ग्राम प्रधान तथा गाँव के बहुत से लोग आ गए। बच्चों का काम देखकर वे भी सफाई में लग गए।

सबने खेल के मैदान को भी साफ–सुथरा कर दिया। गड्ढों में मिट्टी भरकर उन्हें पाट दिया।

ग्राम प्रधान जी ने कहा, "बच्चो ! तुमने बहुत अच्छा काम किया है। हम सब मिलकर गाँव को स्वच्छ और सुंदर बनाएँगे। पेड़–पौधे भी लगाएँगे। तुम सब मन लगाकर पढ़ना और खेलना।"
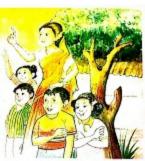
अभ्यास

1. उत्तर लिखो –

(क) जगतपुर गाँव के बच्चे क्यों दुखी थे ?

(ख) बच्चों ने क्या योजना बनाई ?

(ग) बच्चों ने कौन–कौन से नारे लगाए ?

(घ) तुम्हारे गाँव में ऐसी परेशानी आए तो क्या करोगे ?

2. बताओ–

अपने स्कूल को साफ–सुथरा और सुंदर बनाने के लिए तुम और तुम्हारे साथी क्या–क्या कर सकते हैं?

3. करो– अपने आस–पास गौर से देखो। पता करो कि कहाँ सफाई की जरूरत है। साथियों के साथ योजना बनाकर उस जगह को साफ–सुथरा बनाओ।

किसान की चतुराई

किसान अपना खेत जोत रहा था। अचानक कहीं से भालू आ गया।

भालू किसान को मारने झपटा। किसान ने कहा, "मुझे क्यों मारते हो ? फसल आने दो, जो कहोगे वही खिलाऊँगा।"

भालू ने कहा, "जमीन के ऊपर की फसल मेरी और नीचे की तुम्हारी रहेगी।"

किसान ने आलू बो दिए। फसल आई तो भालू को पत्ते खाने को मिले। भालू चिढ़कर रह गया।

अगली बार भालू ने कहा, "देखो इस बार जमीन के नीचे की फसल मेरी और ऊपर की तुम्हारी होगी।"

किसान ने गेहूँ बो दिया। जब फसल तैयार हुई तो किसान को मिले चमकीले गेहूँ। भालू को मिलीं खाली जड़ें। भालू खीझकर रह गया।

इस बार भालू ने किसान को मजा चखाना चाहा। उसने किसान से कहा, "जमीन के सबसे ऊपर और जमीन के नीचे की फसल मेरी।" किसान मान गया।

इस बार किसान ने बोया गन्ना। फसल आई तो भालू को मिले पत्ते और जड़ें। भालू का सिर चकरा गया।

अभ्यास

1. बताओ –

   (क) किसान ने भालू से अपनी जान कैसे बचाई ?

   (ख) भालू कब चिढ़कर रह गया ?

   (ग) तीसरी बार भालू ने क्या शर्त रखी?

2. लिखो, किस ऋतु में फसल बोई जाती है –

   (क) गेहूँ की .... (ग) आलू की ....

   (ख) गन्ने की .... (घ) धान की ....

3. क्या खाना अच्छा लगता है –

   (क) भालू को .... (घ) बंदर को ....

   (ख) तोते को .... (ङ) बिल्ली को ....

   (ग) गाय को .... (च) तुमको ....

4. जमीन के नीचे खाने की कौन–कौन सी चीजें पैदा होती हैं –

   ....

5. सोचो और लिखो– अगली बार भालू कौन–सी शर्त लगाता ?

   ....

   ....

   ....

ऋतुओं के अनुसार होने वाली फसलों की जानकारी दें। कहानी को बच्चों से सुनें।

कितना सीखा ?

1. बताओ –

   (क) तुम अपने दोस्तों के साथ मिलकर क्या–क्या करते हो ?

   (ख) चाँद को प्रकाश कहाँ से मिलता है ?

   (ग) छींक आने पर हमें क्या करना चाहिए ?

   (घ) जगतपुर गाँव के बच्चों ने क्या किया ?

   (ङ) जब भालू ने जमीन के ऊपर की फसल चाही तो किसान ने आलू बोया। किसान आलू के अलावा और कौन–कौन सी फसलें बो सकता था ?

2. सही कथन के सामाने 'हाँ' तथा गलत पर 'नहीं' लिखो–

सूरज रात में चमकता है	....
चाँद सूरज से बड़ा है	....
पृथ्वी चाँद का चक्कर लगाती है	....
तारे पृथ्वी के बहुत पास हैं	....

3. इन शब्दों को तुक के हिसाब से लिखो –

(थाली, ओर, शोर, जोर, कुदाली, नाली, मोर, डोर, डाली, माली)

थाली, कुदाली ....

ओर, शोर ....

4. किससे क्या बनता है आगे की कड़ी बनाओ –

जैसे – गेहूँ → आटा → रोटी, हलवा; गेहूँ → दलिया

गन्ना	....	....	....
सरसों	....	....	....
आलू	....	....	....
गाजर	....	....	....
चना	....	....	....

5. शुद्ध उच्चारण करो और लिखो –

ईश्वर,	शीश,	स्वास्थ्य,	सब्ज़ी,
....	....	....	....
अँधेरा,	फ्रॉक,	ट्रॉली,	सर्कस,
....	....	....	....
चट्टान,	इकट्ठा,	प्यास,	कृष्ण
....	....	....	....

6. किसान की चतुराई कहानी को अपने शब्दों में सुनाओ।

मैं कौन हूँ ?

मैं आसमान में छाए बादलों में रहता हूँ। वहाँ से बरसकर धरती पर चला आता हूँ। तुम कागज की नाव बनाकर मुझ में ही तैराते हो।

बताओ, मैं कौन हूँ ?

मैं सोतों से निकलता हूँ। तालाबों और झीलों में जमा होता हूँ। नदियों में बहता हूँ। बहकर समुद्र में पहुँचता हूँ। वहाँ से भाप बनकर उड़ जाता हूँ और बादल बनकर बरस जाता हूँ।

बताओ, मैं कौन हूँ ?

मैं नल में आता हूँ। कुओं से निकाला जाता हूँ। बाँधों में जमा होता हूँ।

बताओ, मैं कौन हूँ ?

तुम मुझसे ही हाथ–मुँह धोते हो, नहाते हो, कपड़े धोते हो। प्यास लगने पर मुझे पीते हो। मुझसे ही तुम खाना बनाते हो।

सभी पशु–पक्षी मुझे पीते हैं। किसान मुझसे ही पेड़–पौधों और फसलों को सींचते हैं। मछलियाँ मुझमें ही रहती हैं।

बताओ, मैं कौन हूँ ?

मेरी जरूरत सभी को है। अगर मैं साफ रहूँ तो तुम स्वस्थ रहते हो।

कोई मुझे गंदा कर देगा तो तुम बीमार हो जाओगे। इसलिए मुझे सदा साफ रखना। जितना जरूरी हो उतना ही प्रयोग करना। तभी तुम स्वस्थ और प्रसन्न रहोगे।

अब तो तुम जान गए कि मैं कौन हूँ ? जरा मेरा नाम बताओ ?

1. उत्तर लिखो –

   हमें पानी कहाँ–कहाँ से मिलता है ?

2. चार ऐसे शब्द लिखो जिनके बाद में 'नी' आता है –

   जैसे – पानी, कहानी

   ....
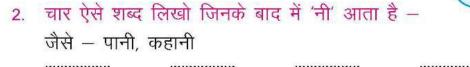
3. पानी के बारे में तीन वाक्य अपनी कॉपी में लिखो।

4. तुम पानी की बरबादी कैसे रोक सकते हो ?

   स्कूल में–..
   घर में, ...
   आस–पास– ....

5. पढ़ो और समझो –

   पानी– जल, नीर।　　　　　　नाव– नैया, नौका।

6. पानी पर कोई कविता अपनी सहेली/मित्र को सुनाओ।
7. चित्र को देखो, सोचो– बंदर ऐसा कर सकता है तो हम क्यों नहीं?

बच्चों से पानी की उपयोगिता पर चर्चा करें। गन्दे पानी से होने वाली हानियों को समझाने का अवसर भी बच्चों को दें। पानी के सीमित उपयोग के बारे में बच्चों को जागरूक बनाएँ।

15

कद्दू जी की बारात

2H5EQB

कद्दू जी की चली बारात
हुई बताशों की बरसात।

बैंगन की गाड़ी के ऊपर
बैठे कद्दू राजा,
शलजम और प्याज ने मिलकर
खूब बजाया बाजा।

मेथी, पालक, भिंडी, तोरई
टिंडा, मूली, गाजर,
बने बाराती नाच रहे थे
आलू, मटर, टमाटर।

कद्दू जी हँसते–मुस्काते
लौकी दुल्हन लाए,
कटहल और करेले जी ने
चाट–पकौड़े खाए।

प्रातः पता चली यह बात
सपना देखा था यह रात !

शांति अग्रवाल

अभ्यास

1. बताओ –
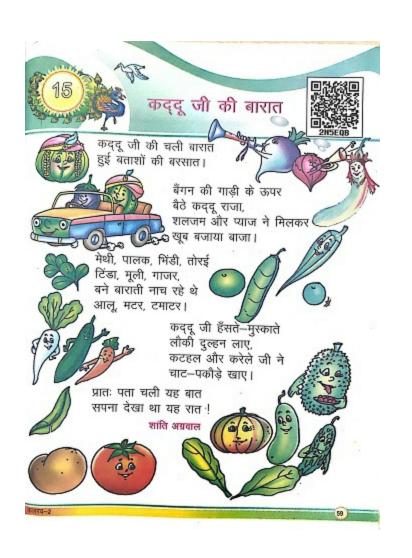
   क. जब बारात जाती है तब क्या–क्या होता है ?

   ख. बारात में कौन–कौन से बाजे बजते हैं ?

   ग. क्या तुमने पिछली रात कोई सपना देखा ? क्या देखा ?

2. दिए गए शब्दों को सही जगह पर भरो –

   (बारात, बताशों, कद्दू, प्याज, शलजम, बैंगन)

   एक था ....। उसकी .... चली। उसकी बारात में .... की बरसात हुई। .... की गाड़ी के ऊपर .... राजा बैठे। .... और .... ने मिलकर बाजा बजाया।

3. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाओ –

चला	–	चली	खाता	–	....
पीता	–	....	हँसता	–	....
चलता	–	....	बोलता	–	....
नाचता	–	....	पढ़ता	–	....

4. तुम क्या–क्या करते हो ? उस बात पर गोला लगाओ –

   नाचना, हँसना, रोना, भौंकना, खाँसना, लिखना, चहचहाना, छींकना, खेलना, पढ़ना, गाना, नहाना, उड़ना, तैरना।

5. तुम भी किसी बारात में गए होगे। बताओ, तुम–

क. किसकी बारात में गए थे ? ....

ख. किस–किस के साथ नाचे ?..

ग. बारात में और क्या–क्या किया ? ....

6. लिखो– तुम्हें कौन–कौन सी सब्ज़ियाँ खाने में अच्छी लगती हैं ?

7. टोकरी में रखी सब्ज़ियों को देखो। कौन कहाँ उगती हैं ? नीचे दिए गए खानों में छाँटकर लिखो–

जमीन के ऊपर	जमीन के अंदर
....	....
....	....
....	....

परिवेश में पैदा होने वाली सब्ज़ियों तथा भोजन में इनकी उपयोगिता पर चर्चा करें। इनको धोने, काटने, पकाने और खाने के तरीकों पर छोटी–छोटी जानकारियाँ भी दें।

गाँव

प्रकाश अपने दादा के साथ बस अड्डे पर खड़ा था। दिनेश चाचा और उनका बेटा कृष्ण शहर से आने वाली बस से उतरे। दोनों ने दादा जी को प्रणाम व चरण–स्पर्श किया। प्रकाश ने चाचा जी के पैर छूकर कृष्ण को गले लगाया।

दादा जी ने कहा, "दिनेश, तुम्हारा फोन आया था। कार ले आया हूँ।"

सभी कार में बैठकर गाँव की ओर चल दिए।

प्रकाश ने कृष्ण से पूछा, "चाचा जी शहर में क्या काम करते हैं ?"

कृष्ण ने बताया, "पिता जी वहाँ कपड़े के कारखाने में काम करते हैं। तुम बताओ, ताऊ जी यहाँ गाँव में क्या–क्या करते हैं?"

"हम लोग तो खेती करते हैं। पिता जी खेतों में फसलें तथा साग–सब्ज़ी उगाते हैं" प्रकाश ने बताया।

कृष्ण – क्या यहाँ की भी सड़कें पक्की हैं ?

दादाजी – हाँ, अब यहाँ खड़ंजे और पक्की सड़कें भी हैं।

सभी बातचीत करते हुए घर आ गए। इतने में भौं–भौं की आवाज करता मोती आया। उसने सबको सूँघा, फिर चुपचाप अपनी पूँछ हिलाने लगा। प्रकाश और कृष्ण ने खूब सारी बातें की। सबने बैठकर ताजा मट्ठा पिया।

दूसरे दिन कृष्ण और प्रकाश खेतों की ओर घूमने गए।

कृष्ण ने देखा कि बिजली से चलने वाले पम्प से खेतों की सिंचाई हो रही है। कुछ खाली खेतों में ट्रैक्टर से जुताई चल रही थी।

कृष्ण–प्रकाश! ये पीले–पीले सरसों के फूल कितने सुन्दर लग रहे हैं !

प्रकाश–हाँ, आजकल खेतों में गेहूँ, गन्ना, मटर, चना और अरहर भी हैं।

कहीं–कहीं गोभी भी लगाई गई है।

एक ओर गन्ने की पेराई हो रही थी। दोनों ने मटर की फलियाँ खाईं और गन्ने का ताजा रस पिया।

शाम हो रही थी। सबके साथ गाय और भैंस भी घर को लौट रही थीं।

कृष्ण और प्रकाश भी घर लौट आए।
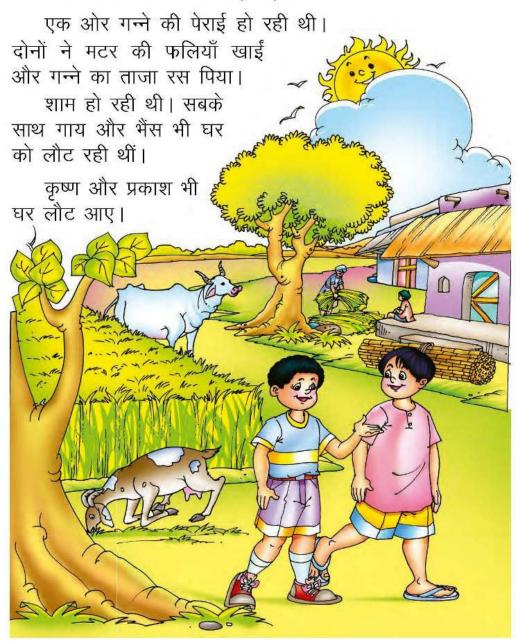
1. बताओ –

   क. तुम्हारे गाँव में सड़कें कैसी हैं ?

   ख. कृष्ण ने गाँव में खेती करने की कौन–कौन सी मशीनें देखीं?

   ग. तुमने खेतों में कौन–कौन सी फसलें देखी हैं ?

2. अपने माता–पिताजी से पूछकर लिखो –

   क. रोटी किस–किस अनाज की बनती हैं ?

   ख. हरी सब्ज़ियाँ कौन–कौन सी होती हैं ?

   ग. खेतों की सिंचाई किन–किन साधनों से होती है?

   घ. गुड़ कैसे–कैसे बनता है?

3. उदाहरण के अनुसार खाली स्थान में विलोम शब्द भरो –

   क. मैंने सोचा गेंद पास आयेगी लेकिन चली गई दूर।

   ख. मैंने सोचा आम पका है लेकिन वह था ....।

   ग. मैं सुबह स्कूल गया लेकिन घर आया तो हो गई ....।

   घ. मैंने सोचा पेड़ मोटा होगा लेकिन वह था ....।

4. जानो–

   काम–कार्य। बिजली–विद्युत। फूल–पुष्प। घर–गृह

विलोम और समानार्थक शब्दों की जानकारी कराने के लिए बच्चों से प्रश्न 3 और 4 के अनुसार और अभ्यास करवाएँ।

17 हमारे सहयोगी

दो बैलों की जोड़ी लेकर,
खेती करना उसका काम,
जाड़ा, गर्मी, वर्षा सहता,
कभी न करता वह आराम।

किसान

डाकिया

सिर पर टोपी एक लगाए,
कंधे पर थैला लटकाए,
खाकी वर्दी में मुस्काता,
मनीआर्डर, चिट्ठी ले आता।

माटी की वह चीज बनाता,
सुंदर-सुंदर उसे सजाता,
चाक घुमाकर करता काम,
बोलो बच्चो उसका नाम।

कुम्हार

जब खाँसी बुखार हो जाते
बिन इलाज आराम न पाते
दवा दवा हरदम चिल्लाते
बोलो किसके पास हैं जाते

डाक्टर

हलवाई

लड्डू पेड़ा, रसमलाई,
दही, जलेबी, बालूशाही,
खोया, चीनी, दूध मिलाकर,
रोज बनाता खूब मिठाई।

कुर्सी, मेज, तखत, दरवाजा,
तख्ती, खटिया सभी बनाता,
काम करे फिर लेता दाम,
बोलो बच्चो उसका नाम।

बढ़ई

अभ्यास

1. क. इनमें जो वस्तुएँ तुम्हारे घर में हों, उन पर घेरा लगाओ–

कुर्ता	तखत	घड़ा	कुर्सी
फावड़ा	हँसिया	टेलीफोन	डलिया
मिठाई	खुरपी	रेलगाड़ी	चारपाई
कड़ाही	हवाई जहाज	हल	हाँड़ी

ख. जिन चीजों पर घेरा लगा हो, उनके नामों के सामने लिखो कि उन्हें कौन बनाता है ?

ग. वे इन चीजों के बनाने में जिन औजारों का प्रयोग करते हैं उनका नाम अपनी कॉपी में लिखो।

2. **देखो : आस–पास**

क. इनमें से कौन–कौन से काम तुम्हारे आस–पास के लोग करते हैं ? अपनी कॉपी में लिखो –

सिलना, चटाई बनाना, बर्तन बनाना, बुनना, टोकरी बनाना, टीका लगाना, मकान बनाना, पढ़ाना, मिठाई बनाना, बाल काटना, आँगनबाड़ी केन्द्र चलाना, जूता बनाना, कुर्सी बनाना, ऑटो चलाना, दुकान, पंक्चर जोड़ना, दरी बनाना, मेंहदी लगाना।

ख. अपने आस–पास बन रही किसी चीज को देखो, फिर अपनी कॉपी में लिखो कि उसे कैसे बनाते हैं।

बच्चों को विभिन्न स्थानीय व्यवसाय तथा उनको करने वालों के विषय में जानकारी दें।

1. **बताओ**– पानी हमारे किस–किस काम आता है ?

क. पानी पीते हैं।

ख. पानी से शरबत बनाते हैं।

ग. ....

घ. ....

ङ. ....

2. अपनी कॉपी पर उत्तर लिखो –

क. तुमने कौन–कौन से पक्षी देखे हैं ?

ख. तुम स्वस्थ रहने के लिए क्या–क्या करते हो ?

ग. चाँद पर क्यों नहीं रहा जा सकता ?

3. बताओ, क्या हो अगर –

क. हमारे आस–पास गंदगी फैल जाए ?

ख. सूरज धरती को प्रकाश न दे ?

ग. हम एक–दूसरे का सहयोग न करें ?

घ. पानी न हो ?

बच्चों से ऐसे ही सवाल बनवाएँ और आपस में पूछने के लिए प्रेरित करें।

4. कौन क्या बनाता है? मिलाओ –

कमीज	लोहार
कुल्हड़	बढ़ई
कुल्हाड़ी	दर्जी
मेज	हलवाई
मिठाई	कुम्हार

5. नीचे दी गई चीजें खाने में कैसी लगती हैं? लिखो –

गुड़	....	गाजर	....
नींबू	....	इमली	....
मिर्च	....	संतरा	....
हलवा	....	पकौड़ी	....

6. कहानी को आगे बढ़ाओ –

नीलू घर से निकली। उसे रास्ते में मोबाइल फोन पड़ा मिला। ....
....
....
....
....

7. अपनी याद की हुई कोई कविता सुनाओ।

18 परी

जाड़े के दिन थे। आसमान में एक परी उड़ रही थी। उड़ते–उड़ते उसने नीचे देखा। पृथ्वी पर रंग–बिरंगे फूल खिले थे। परी फूलों के बीच आ गई। वहाँ उसे तितली मिली। एक मधुमक्खी छत्ता बना रही थी। परी ने उससे कहा, "मधुमक्खी, आओ खेलें।"

मधुमक्खी बोली, "अभी मैं छत्ता बना रही हूँ।"

परी बोली, "पहले खेलो, फिर छत्ता बना लेना।"

मधुमक्खी बोली, "नहीं, नहीं। जाड़े के दिन हैं। बर्फ पड़ने वाली है, उससे पहले मुझे अपना छत्ता बनाना है।"

परी हँसी और बोली, "अगर मैं तुम्हारा छत्ता जल्दी बनवा दूँ तो फिर मेरे साथ खेलोगी ?"

"हाँ," मधुमक्खी बोली। परी ने अपनी साथी मधुमक्खियों को आवाज लगाई। देखते ही देखते वहाँ बहुत सारी मधुमक्खियाँ आ गईं। हजारों–हजार मधुमक्खियाँ। उन्होंने छत्ता बनाकर शहद भरना शुरू किया। जल्दी ही छत्ता बनकर तैयार हो गया।

सब बहुत खुश हुए। परी और मधुमक्खियाँ खुशी से नाचने लगीं। तितली भी उड़ती हुई आकर उनके साथ नाचने लगी।

अभ्यास

1. उत्तर लिखो –

क. मधुमक्खी ने परी के साथ खेलने से मना क्यों किया ?

ख. परी ने क्या किया ?

ग. मधुमक्खी शहद कहाँ से इकट्ठा करती है ?

2. बताओ –

क. सर्दी से बचने के लिए तुम क्या–क्या करते हो ?

ख. शहद खाने में कैसा लगता है ?

ग. फूल किस–किस रंग के होते हैं ?

3. सोचो और लिखो –

मधुमक्खी के कौन–कौन से गुण हममें भी होने चाहिए ?

4. बोलो और लिखो –

मधुमक्खी, ध्यान, मुस्कराई, पृथ्वी, बर्फ, तितली।

....

5. सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो–

डाल पर .... छत्ता बना रही थी। (मधुमक्खी / चिड़िया)

रंग–बिरंगे फूलों पर .... मँडरा रही थी। (कोयल / तितली)

गंदी जगह पर .... भिनभिनाती है। (मक्खी / मेढक)।

हमारे कमरे में दो .... है। (पहिए / खिड़की)

मैदान में .... खेल रहे हैं। (बच्चे / शेर)

6. विलोम शब्द लिखो –

जैसे सर्दी – गर्मी

हँसना	ऊपर	अच्छा	सुखी
....	....	....	....

7. रंग–बिरंगी तितलियों के चित्र बनाओ ।

8. तितली पर कोई कविता याद कर कक्षा में सुनाओ।

बच्चों के साथ एक वचन एवं बहुवचन पर चर्चा करें तथा उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें।

19 हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

हर देश की अपनी पहचान होती है। यह पहचान कुछ चिह्नों से की जाती है। ये चिह्न राष्ट्रीय प्रतीक कहलाते हैं।

आओ इन्हें जानें –

राष्ट्रीय ध्वज

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक, जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा–
द्राविड़–उत्कल बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे !

– रवीन्द्र नाथ टैगोर

राष्ट्रीय पशु (बाघ)

राष्ट्रचिह्न (अशोक की लाट)

राष्ट्रीय पक्षी (मोर)

राष्ट्रीय पुष्प (कमल)

अभ्यास
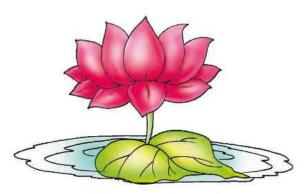
1. बताओ –

   क. हमारे राष्ट्रध्वज को तिरंगा क्यों कहते हैं ?

   ख. हमारा राष्ट्रगान किसने लिखा है ?

   ग. आपके विद्यालय में राष्ट्रध्वज कब–कब फहराया जाता है ?

2. खाली जगह में सही शब्द लिखो –

क. राष्ट्रध्वज में सबसे ऊपर की पट्टी .... रंग की है। बीच की पट्टी .... रंग की है और सबसे नीचे .... रंग की पट्टी है।

ख. हमारा राष्ट्रीय पक्षी .... है।

हमारा राष्ट्रीय पशु .... है।

हमारा राष्ट्रीय पुष्प .... है।

3. जानो और लिखो –

क. राष्ट्रध्वज कब–कब फहराते हैं ? ....

ख. राष्ट्रगान कितने सेकेंड में गाते हैं ? ....

ग. हमारा राष्ट्रचिह्न कहाँ से लिया गया है ? ....

घ. राष्ट्रध्वज में सफेद पट्टी के बीचों–बीच बने चक्र में .... तीलियाँ हैं।

ङ. राष्ट्रध्वज में केसरिया रंग .... का प्रतीक है।

च. राष्ट्रध्वज में सफेद रंग .... का प्रतीक है।

छ. राष्ट्रध्वज में हरा रंग .... का प्रतीक है।

4. कॉपी पर राष्ट्रध्वज का चित्र बनाकर रंग भरो।

अपने आप

दयालु सिद्धार्थ

एक दिन जब सिद्धार्थ बगीचे में टहल रहे थे तभी
ओह ! इस बेचारे पक्षी को किसने तीर मारा ?
सिद्धार्थ ने सावधानी से तीर निकाला और पक्षी के घाव को साफ किया। थोड़ी देर बाद ....

ये पक्षी मेरा है। इसे मैंने तीर मारा है। इसे मुझे दे दो।

यह सिद्धार्थ का चचेरा भाई देवदत्त था।

देवदत्त! यह पक्षी इतना प्यारा है, तुम इसे मारना क्यों चाहते हो?

पक्षी मुझे वापस करो, यह मेरा शिकार है!
नहीं। मैं नहीं दूँगा।
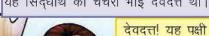
अभ्यास

1. बताओ –

क. यदि तुम राजा होते तो पक्षी किसे देते और क्यों ?

ख. इस कहानी से हमें क्या सीख मिलती है ?

2. सही कथन पर ( ) गलत पर (x) का चिह्न लगाओ–

क. हमें पशु–पक्षियों की सहायता करनी चाहिए। ☐

ख. हमें पशु–पक्षियों की सहायता नहीं करनी चाहिए। ☐

ग. हमें सभी जीवों के प्रति दया–भाव रखना चाहिए। ☐

3. क्या तुमने कभी किसी पशु या पक्षी की जान बचाई है? कब? कैसे? सोचो और बताओ।

20

हमसे सब कहते

नहीं सूर्य से कहता कोई
धूप यहाँ पर मत फैलाओ,
कोई नहीं चाँद से कहता
उठा चाँदनी को ले जाओ।

कोई नहीं हवा से कहता
खबरदार जो अंदर आई,
बादल से कहता कब कोई
क्यों जलधार यहाँ बरसाई?

फिर क्यों हमसे भैया कहते
यहाँ न आओ, भागो जाओ,
अम्मा कहती हैं, घर–भर में
खेल–खिलौने मत फैलाओ।

पापा कहते बाहर खेलो
खबरदार जो अंदर आए,
हम पर ही सबका बस चलता
जो चाहे वह डाँट बताए।

–निरंकार देव सेवक
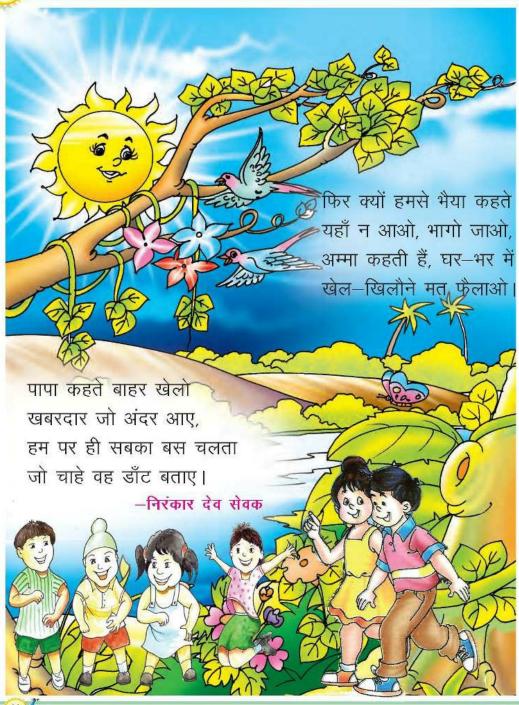
1. सोचो और बताओ –

क. सूरज से कोई कुछ क्यों नहीं कहता है ?

ख. अम्मा घर में खेल–खिलौने फैलाने से क्यों मना करती हैं ?

ग. अगर तुम्हें इस कविता का शीर्षक देना हो तो क्या दोगे ?

घ. तुम्हें घर में –

- कौन–कौन टोकते हैं ?
- किस–किस बात पर टोकते हैं ?
- टोकने पर तुम क्या–क्या करते हो ?

2. पाठ पढ़कर कविता की पंक्तियों को पूरा करो –

नहीं सूर्य से ....

पापा कहते ....

3. इस कविता में जिन व्यक्तियों, वस्तुओं और स्थानों के नाम आए हैं, उन्हें नीचे दी गई सूची में लिखो–

व्यक्ति	वस्तु	स्थान

पूँछ हिलाने वाला भेड़िया

एक भेड़िया गड्ढे में गिर पड़ा। उसने बहुत कोशिश की पर गड्ढे से बाहर नहीं निकल सका।

उधर से एक मेमना आ रहा था। भेड़िये ने उससे गिड़गिड़ाकर कहा, "दोस्त, मुझे ऊपर निकालो।"

मेमने ने पूछा, "अरे, तुम कौन हो ? यहाँ गड्ढे में कैसे गिर गए ?"

भेड़िये ने कहा, "मैं कुत्ता हूँ। एक मुर्गे को बचाते-बचाते मैं खुद यहाँ गिर गया हूँ।"

मेमना था तो छोटा, पर था बहुत होशियार। उसकी माँ ने खतरनाक जानवरों के बारे में उसे खूब समझाया था। उसे भेड़िये की बात पर विश्वास नहीं हुआ।
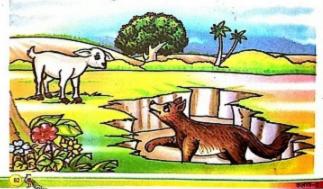
मेमना बोला, "लेकिन तुम तो भेड़िये जैसे लगते हो।"

भेड़िया भी कम चालाक नहीं था। उसने कहा, "मेरी पूँछ देखो, कुत्ते की तरह हिल रही है कि नहीं?" यह कहकर भेड़िये ने मेमने को अपनी पूँछ हिलाकर दिखाई, फिर बोला, "अब जल्दी से मुझे बाहर निकाल लो, मैं कुत्ता ही हूँ।"

मेमने ने कहा, "पर तुम्हारा मुँह तो भेड़िये की तरह ही है। मुझे सोचने दो।" भेड़िये को इस बात पर गुस्सा आ गया। उसने अपना बड़ा सा मुँह फैलाकर मेमने को डाँटा, "बेवकूफ ! इसमें सोचने की क्या बात है ?"

उसके बड़े–बड़े नुकीले दाँत देखकर मेमना अच्छी तरह जान गया कि यह भेड़िया ही है।

उसने कहा, "हो तो तुम भेड़िया, पर धोखा देने के लिए कुत्ते की तरह पूँछ भी हिला सकते हो।" कहते हुए मेमना अपने घर की ओर तेजी से भाग चला।
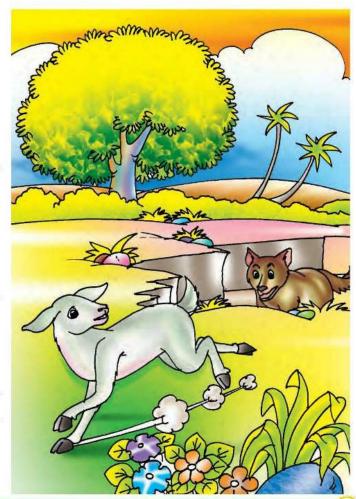
अभ्यास

1. **बताओ –**

   क. भेड़िया गड्ढे में कैसे गिरा होगा ?

   ख. मेमने ने भेड़िये को बाहर क्यों नहीं निकाला ?

   ग. मेमने ने कैसे जाना कि गड्ढे में भेड़िया है ?

2. **इन जानवरों के छोटे बच्चों को क्या कहते हैं? लिखो –**

भेड़	....	गाय	....
कुत्ता	....	भैंस	....

3. **'म' और 'भ' से शुरू होने वाले इन शब्दों को पूरा करो–**

म	....	मि	....	मु	....
भ	....	भा	....	भे	....

4. **नीचे दी गई कहानी को पूरा करो।**

एक ....था। एक .... था। एक दिन दोनों जंगल से बाहर निकले। उनको .... मिला। .... ने कहा, "तुम कहाँ जा रहे हो ?" दोनों बोले, "हम शहर ....।" तुम ....हमारे साथ ....। तभी एक .... आ गया। .... गुर्राया। तीनों दुम दबाकर ....।

5. **समान तुक वाले शब्दों का जोड़ा बनाओ–**

पूँछ	हड़बड़	कुत्ता	बोला	डाँटना	तुम्हारा
गड़बड़	डोला	बाँटना	मूँछ	हमारा	पत्ता

1. अपनी पाठ्य–पुस्तक की कोई कविता सुनाओ।
2. नीचे दी गई कविता को पूरा करो –

कोई नहीं हवा...

खबरदार...

बादल से ....

क्यों जलधार ....

3. आँख, कान, नाक और जीभ के कार्य बताओ।
4. इन शब्दों को पढ़ो और लिखो –

इकट्ठा, छप्पर, खट्टा, सब्ज़ियाँ, ट्रॉली, ट्रैक्टर, क्रम, जलधार

5. वाक्य पूरा करो –

(क) हम जीभ से स्वाद ....।

(ख) दादी माँ चावल ....।

(ग) चाँद धरती का चक्कर ....।

6. वाक्य पूरा करो –

(क) .... राष्ट्रीय पक्षी है।

(ख) .... गड्ढे में गिर पड़ा।

(ग) .... छत्ता बना रही थी।

7. अपने आस–पास पाए जाने वाले पशु–पक्षियों के नाम लिखो–

....

8. उनके नाम लिखो जो –

(क) मिट्टी के बर्तन बनाते हैं ....

(ख) कपड़ों की सिलाई करते हैं ....

(ग) मिठाइयाँ बनाते हैं ....

(घ) कुर्सी मेज बनाते हैं ....

9. बताओ, क्या होता यदि –

(क) अकेली मधुमक्खी छत्ता बनाती रहती ?

(ख) चाँद पर हवा–पानी होता ?

(ग) कई दिनों तक आसमान में सूरज न चमके ?

10. जगतपुर गाँव के बच्चों ने कौन–सा अच्छा काम किया ?

11. किसान ने क्या चतुराई की –

(क) जब भालू मारने झपटा।

(ख) जब भालू ने जमीन के ऊपर की फसल माँगी।

12. सब्ज़ियों के मुखौटे बनाकर 'कद्दू जी की बारात' कविता का कक्षा में अभिनय करो।

13. मेमना भेड़िये की बातों में क्यों नहीं आया ?

14. हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम लिखो।

मुखौटे बनवाने में बच्चों का सहयोग करें एवं अभिनय कराएँ।

My name is:______________________________

I am :__________________________________

I study in class:__________________________

My mother's name is :______________________

My father's name is :_______________________

My village / town name is :_________________

INTRODUCTION

This material is meant for our little learners beginning to learn the language. It is so designed that the children will be able to grasp new words and sounds which will help them speak, read and write.

Ample revision should be done by the teachers and the students. After exposure to the English language, the child will be able to speak the word and recognise , colour the pictures. We are introducing English from the lower classes (class I and II) in order to expose the children to the language and remove the hesitation. Therefore, teaching English language will enhance the four skills of the language.

TEACHER'S NOTE

- ✡ Wish the children and make sure that they wish you in return (for example - Good Morning, Good Afternoon, Good Evening etc.)
- ✡ Teach with actions and involve the children with active participation.
- ✡ Daily drill of Oral Work.
- ✡ The teacher should speak English during the English period and encourage the children to do so.
- ✡ More of general conversation and activities with the children should be done (for example - May I come in, May I go out, Sorry, Thank you, Please)
- ✡ The teacher should follow the writing pattern given in the book.

CONTENTS

Let's Revise

Say this rhyme-

A	B	C	D	E	F	G
H	I	J	K	L	M	N
O	P	Q	R	S	T	U
V	W	X	Y	Z		

X Y Z

Sugar on my bread

If you don't like it,

Go to bed bed bed.

शिक्षण संकेत– Song के माध्यम से बच्चों को Alphabet दोहरवाएँ।

Let's Say

Small Alphabet

a b c d e f g h i

j k l m n o p q r

s t u v w x y z

Capital And Small Letters-

A a	Bb	Cc	Dd	Ee	Ff	Gg
H h	Ii	Jj	K k	L l	Mm	Nn
O o	Pp	Q q	Rr	Ss	Tt	Uu
Vv	Ww	Xx	Yy	Zz		
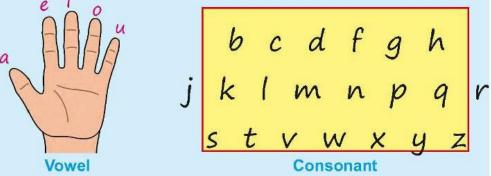
शिक्षण संकेत– बच्चों को vowel और Consonant बताएँ।

Look at the pictures. Read the names aloud.

a zebra

शिक्षण संकेत– बच्चों को अन्य Objects को दिखाकर उनके नाम English में बताइए।

LESSON - 1

Let's Speak

John : Good morning, Razia.

Razia : Good morning, John.

John : What do you see in these pictures?

Razia : I See ....

A man
A fan
A tall man

A hen
A pen
A fat hen

A bin
A tin
A small bin

A boat
A coat
A red coat

A hut
A bus
A big bus
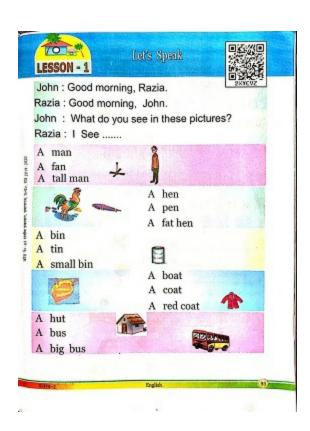
Read aloud :

This is a kite.

That is a box.

This is a cat.

That is a chair.

He is Varun.

He is a boy.

She is Razia.

She is a girl.

Write This/That-

1. ______________ is a ball.
2. ______________ is a dog.
3. ______________ is a table.
4. ______________ is a tree.

Write He/She -

1. ______________ is Mohan.

2. ______________ is Rita.

LESSON - 2

Shapes And Colours

Square — The colour of the square is blue.

Circle — The colour of the circle is red.

Triangle — The colour of the triangle is black.

Rectangle — The colour of the rectangle is green.

Match the Following :

Circle	□	
Triangle	▭	
Square	△	
Rectangle	○	

Roses Are Red

Roses are red,
Violets are blue,
Sugar is sweet;
And so are you.

Join the dots to make a shape and colour it.

Square Triangle Circle Rectangle

शिक्षण संकेत– Shapes & Colours की पहचान बच्चों को कराएँ तथा बच्चों द्वारा देखे अन्य objects को Draw करवाएँ और उनके नाम एवं Shapes भी बताएँ।

LESSON - 3

Meethi's House

This is Meethi's house.

It has walls.

It has a roof.

This is a door.

That is a window.

The cow is in the shed.

The goat is in the field.

The dog is in the kennel.

The horse is in the stable.

The monkey is on the tree.

The lion is in the den.

Learn and Enjoy :

The dog says bow-wow,

The cat says mew,

The sheep says baa-baa,

The little pig says wee-wee,

The clock says tick-tick,

The hen says cluck- cluck.

शिक्षण संकेत–Poem के माध्यम से बच्चों को animals and Birds की Sounds से परिचित कराएँ।

Send the animals to their homes :

LESSON - 4

Our Body

Let's Sing :

Two little eyes that open and close,
Two little ears and one little nose,
Two little cheeks and one little chin,
Two little Lips and teeth within.

Look and Read:

I can see with my eye.

I can smell with my nose.

I can hear with my ear.

I can bite food with my teeth.

I can walk with my leg.

I can write with my hand.

Match the following :

teeth
leg
eye
hand
ear

LESSON - 5 Let's Do Some Actions

Meenu runs

Birds fly

Sonu walks

Alok laughs

Saba plays

Fish swim

Juhi skips

Ravi sleeps

शिक्षण संकेत– बच्चों को Action के माध्यम से बताएँ।

Natkhat Peelu

Read for fun: Read the story with the help of your teacher.

Peelu plays with his friends

Peelu climbs up.

Peelu slides down.

Peelu hide.

Peelu swings.

Peelu plays with his friends.

LESSON - 7

My Family

2ZINGV

My father is caring, my mother is sweet,
I love my grand parents and they love me.

I am Ravi.
I study in class two.

This is my mother.
She is a teacher.

She is my sister.
She loves animals.

This is my father.
He is a farmer.

This is my brother.
He is a good player.
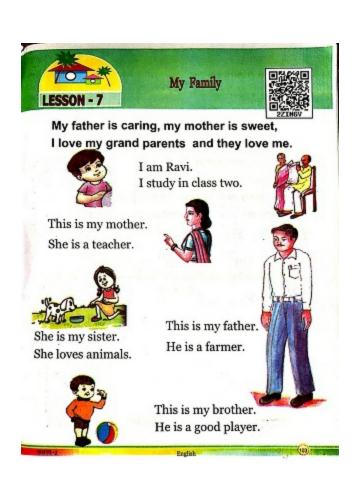
Fill in the blanks :

Q.1. What is your name ?

Ans. My name is ....

Q.2. What is your father's name ?

Ans. My father's name is ....

Q.3. What is your mother's name ?

Ans. My mother's name is ....

Q.4. How many members are there in your family ?

Ans. There are .... members in my family.

Fun to do :

Paste your family photograph in the box.

Days Of The Week

Fill in the blanks and complete the names of days:

S _ n d _ y,   M _ n _ a y,   T _ e s d _ y,

W _ d n e _ d _ y,   T _ u r _ d a y,

F _ i d _ y,   S _ t _ r d _ y

Let's Write:

- Today is ______________________
- Yesterday was ______________________
- Tomorrow will be ______________________

शिक्षण संकेत- पट्टियों पर सप्ताह के दिनों के नाम अंग्रेजी में लिखकर Activity के माध्यम से बच्चों को बताएँ। Today, Yesterday, Tomorrow का अर्थ बताएँ।

LESSON - 9

Numbers (1-20)

Read and Speak :

1	2	3	4	5
One	Two	Three	Four	Five
6	7	8	9	10
Six	Seven	Eight	Nine	Ten
11	12	13	14	15
Eleven	Twelve	Thirteen	Fourteen	Fifteen
16	17	18	19	20
Sixteen	Seventeen	Eighteen	Nineteen	Twenty

Read and Write :

1	2	3	4
One			
5	6	7	8
		Seven	
	9	10	

LESSON - 10

Means Of Transport

Look and Speak:

Bicycle

Scooter

Motorcycle

Van

Truck

Bus

Let's Sing :

The wheels on the Bus,
Goes round, round, round,
The wheels on the Bus,
Goes Round and round.

The horn on the Bus,
Goes Pom! Pom! Pom!,
The horn on the Bus.
Goes Pom! Pom! Pom!.

LESSON - 11

General Conversation

Ravi : Good Morning.

Meenu : Good Morning.

Ravi : How are you ?

MEENU : I am fine.

Ravi : Have you done your home-work ?

MEENU : Yes. Let's play some game.

READ ALOUD:
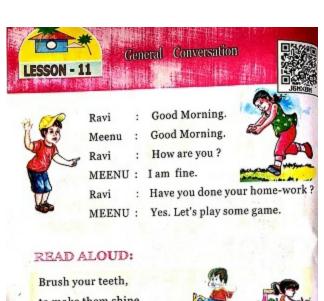
Brush your teeth,
to make them shine.
Comb your hair,
to look very fine.
Cut your nails,
Wash your hands to keep away germs.